

प्रपक:

सी0 भारकर,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

ऊर्जा विभाग,

देहरादून, दिनांक 17-अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को वैकल्पिक ऊर्जा कार्यक्रम के लिये अनुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-267/XXvii(1)/2008, दिनांक 27-3-2008 एवं राज्य योजना आयोग के शासनादेश संख्या- 624/जि0पी0/रा0या0आ0/मु0रा0/2008, दिनांक 24-3-2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) को सलग्नक में उल्लिखित लेखाशीर्षकों में जनपदवार जिला राकटर में अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ रु016164 हजार (एक करोड़ इकसठ लाख दोसठ हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों पर अर्पित आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- 1- जिलाधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि जिला नियोजन एवं अनुसंधान समितियों द्वारा अनुमोदित योजनावार एवं प्लान परियोजना के अनुसार ही धनराशि कार्यवाही संस्था को अवमुक्त करेंगे।
- 2- व्यय करने से पूर्व बजट मैन्युअल, फाईनेन्सियल रेगुलेशन, स्टोर पर्यंत मूल्य मितव्ययता पैण्डर के विषय में निर्गत आदेश एवं अन्य के सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जायेगा, यदि कार्य पर स्वीकृति के पूर्व किसी तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता है, तो वे भी प्राप्त कर ही धनराशि व्यय की जायेगी।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का मदवार व्यय विवरण जिलाधिकारी के माध्यम से उपयोगिता प्रमाण पत्र निदेशक, उरेडा द्वारा शासन को दिनांक 31-3-2009 तक उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- 4- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित जनपद के परियोजनाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- केन्द्र पुरोनिर्धानित योजनाओं पर केन्द्राश एवं राज्याश अवमुक्त किये जाने के बाद ही कोषागार से आवश्यक धनराशि का आहरण किया जायेगा।
- 6- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष जिन योजनाओं में भारत सरकार से धनराशि प्राप्त होती है, उसे प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कर योजनावार प्राप्त केन्द्राश की सूचना शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
- 7- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2009 तक उपयोग सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
- 8- जिलाधिकारियों द्वारा कार्यवार वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। समय से धनराशि का उपयोग न करने पर सम्बन्धित जिलाधिकारी के पिरुद्ध समुचित कार्यवाही की जायेगी। भारत सरकार से वित्त धरित योजनाओं का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को यथारमय प्रेषित कर दिया जायेगा।

- 9- जिलाधिकारियों द्वारा उक्त प्रस्तर-1 में वर्णित शासनादेश दिनांक 27-3-2008 एवं 24-3-2008 में निहित शर्तों का अक्षरशः पालन किया जायेगा।
- 10- उक्त शासनादेश दिनांक 24-3-2008 की शर्त-4 के अनुसार रु० 50-00 लाख से अधिक की स्वीकृति सम्बन्धित मण्डलायुक्त से सहमति प्राप्त कर जारी की जायेगी।
- 11- नये कार्यो पर व्यय करने से पूर्व इनके विस्तृत आगणन पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति शासन एवं सक्षम स्तर से प्राप्त की जायेगी।
- 12- सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी0एम0-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-118 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और यदि नियमित रूप से शासन की उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी को विरुद्ध अनुशासनात्मक(मा0मुख्य मंत्री जी/मुख्य सचिव)प्रार्थना रखम स्तर का कार्यवाही करने हेतु अवगत कराया जायेगा।
- 13- स्वीकृत की जा रही धनराशि का अनुरूचित जाति के कल्याणार्थ उपयोग किया जायेगा।
- 14- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय मातृ विधीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक के अनुदान खण्ड-30 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-आयोजनागत की सलम्नक में उल्लिखित सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।
- सलम्नक- यथेष्ट।

भारतीय

(सी0 भास्कर)  
अपर सचिव

संख्या-589/1/2008-03(1)/ 22/08, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 3- निदेशक, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 4- प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी के सँज्ञान में लाने हेतु।
- 5- नियोजन विभाग/ वित्त अनुमान-2 / समाज कल्याण प्रकाश।
- 6- प्रभारी एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- विभागीय आदेश पुस्तिका हेतु।

अज्ञा से

(सी0 भास्कर)  
अपर सचिव

182  
18/4/08

अनुदान संख्या-30 (आयोजनागत)

लेखाधीन

1

विवरण	घनराशि	BDN	MRD	THR	FA	PRE	RDP	CHIND	PTH	CHAMP	SLM	RCR	STL	CSN
2810-वैकल्पिक ऊर्जा-01-सूक्ष्म ऊर्जा 103-जैवगैर	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
03-बायोमास आधारित योजनाओं हेतु उरुहा को सहायता	50	0	0	0	0	0	0	0	0	0	60	0	0	0
91- उरुहा के लिये अनुदान (जिला योजना)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता	50	0	0	0	0	0	0	0	0	0	60	0	0	0
02-सोलर इन्जी-101-सोलर थर्मल कार्यक्रम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
02-अनुसूचित जातियों के लिए स्थल कम्पोजेन्ट प्लान	572	0	10	20	0	0	0	0	86	19	165	250	0	22
91-सोलर इन्जी कार्यक्रम हेतु उरुहा को अनुदान	572	0	10	20	0	0	0	0	86	19	165	250	0	22
20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता	50-उपदान	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
57202 सोलर इन्जी-102 सोलर फोटोवोल्टाईक कार्यक्रम	12739	517	513	1075	173	1086	330	328	727	1025	4758	210	825	1176
02-अनुसूचित जातियों के लिए स्थल कम्पोजेन्ट प्लान	12740	518	513	1075	173	1086	330	328	727	1025	4758	210	825	1176
03-सो फोटो वोल्टाईक उरुहा को अनुदान(जिला योजना)	2570	0	0	0	100	0	0	0	420	550	0	1500	0	0
20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता	50-उपदान	36	0	0	0	0	0	0	36	0	0	0	0	0
80-ऊर्जा के अन्य स्रोत-800-अन्य व्यय	2006	0	0	0	100	0	0	0	456	550	0	1500	0	0
02-अनुसूचित जातियों के लिए स्थल कम्पोजेन्ट प्लान	46	0	0	0	46	0	0	0	0	0	0	0	0	0
81-उरुहा/नेका के लिये अनुदान(जिला योजना)	140	0	34	0	51	0	0	0	0	0	0	0	0	95
95- 110 ऊर्जा तक हेतु उरुहा को अनुदान(जिला योजना)	185	0	34	0	57	0	0	0	0	0	0	0	0	95
20-सहायक अनुदान/अनुदान/राज सहायता	50-उपदान	2677	1	0	0	145	0	0	420	550	60	1500	0	0
योग :-	13487	517	557	1085	181	1095	330	328	849	1044	4923	450	825	1293
	16164	518	557	1085	327	1095	330	328	1269	1594	4983	1950	825	1293

कुल घनराशि रु0 16164 हजार (रु एक करोड़ इकसठ लाख बीसठ हजार मात्र)

15/10/08

(सीओ मास्टर)  
अपर सचिव